

DPN 6577

Title : पादस्थापनविधि PĀDASTHĀPANA VIDHI

Run. No. 7302

Cat. No.

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23 x 8

Folios 8

Lines ( in a page ) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

B. ०० अ ॥ दिवस पादस्थापनं ॥ ब्राह्मण यत्तं सप्तमं स्थापनं भूमी दत्ते ॥

P.T.O.



C. इति पदस्थायन विधि ॥ स्वल्प विधिं चोपाव ह्य ॥



पादस्थापन



पादस्थान

5  
15  
10  
5  
0

CMTS.

5

10

15

20

2.5



रु ॥ दिवम धामु यमूनं ॥ वाक्क नयनसामस्तु यनरुमी यन ॥ कलम . . गन  
ॐ नू कामानि मालको वाय ॥ यं ॥ श्वदास लंकुल धनस्तु यनयाय ॥ वसास्य यजमानयुष्म  
सोर्जन ॥ वक्क नन सुयोर्ध ॥ नासगमयणीन ॥ आसयुजोदियाय ॥ आयन ॥ द्वा नासनादि  
धयदि य जायताय वाक्क नयुजा सानिकथाष्टिके ॥ यथाकमा ॥ सुवयनरुमीसः ॥ आ  
वायनवसिदियक ॥ यगुस्याय ॥ धनलि गुरु कान ॥ उकासिकाथयन ॥ काथासुदवगा  
सानय ॥ दथसुवक्का ॥ यनायुजा याय ॥ अद्यादि ॥ वाक्क ॥ यजमानस्य अमूकदेवयुनिस्तु  
वासुययुजानिमित्थ ॥ नास ॥ यजर्नहंसासनाय नम ॥ ध्यान ॥ धीर्नधीर्न वगाहा ॥ वाक्क  
सुठकम लुल ॥ हंसासनस्तिर्नदय उक्क नयचिरा वय ॥ वद ॥ उक्क यक्कन ॥ उक्का

उक्कसम ॥ उक्क नसम ॥ उक्क यजायन ॥ आवाहनस्तु यनयन नानाकनयुर्थनमः  
॥ ययात्रलि ॥ उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का उक्का  
॥ उक्का ॥ उक्का यानि मारुमिद्विस्ताननिवासिनी ॥ सुविकलोसका निर्य भीवक्का  
यनेनमः ॥ धन उकासिकाथयुजा ॥ यनायुजा नकिरुक्क युजा ॥ कवकाय  
उदमासर्नयादायहस्तु वन्दनसिन्दु नयक्कायवि न लंकुल दकि लासहिन नविय ॥ यनाया  
सिननिन वासुयसि नयाय स्तायसा याव वकाथान सुका नयायक ॥ वद ॥ उक्क ययिक्क वद  
॥ यथा लिस काय ॥ धन धनदा वक्का नदान ॥ कलसयजमान अरिष्ठा क ॥ सगुला  
वद ॥ सुयसासि ॥ धन यु यन ॥ यथागकि राजनयाया ॥ उक्कि वासुयस्तु यनविधि ॥



पादस्नानं ॥ तुमियन ॥ कलसु आदिन मा लका वाय ॥ ब्रह्म लयजमान आदि न. य  
 राजनय ॥ वाक ॥ पादस्नान निमित्तार्थ ॥ आस ॥ जल पाव अर्घ्यं पाव आस पूजायाय ॥  
 दानार्थ न आदि आदि न कलसा र्थ न धूनक ॥ ब्रह्म लयजमान नि क थो द्विक ॥ धना आश क  
 म ॥ कलसु या द न ॥ खलिक थाय ॥ सिजल यल. थथ न इ इ या ध न हि न क ॥ घट या ज व स  
 वीहि मा स द य न र य क भ न लि च न आ ग या ५ वा यि शु न ॥ थ थ स दि ग स दि दि स न य का थ न  
 था या ॥ धना नि मी ह न ॥ उ न का ह न ॥ उ स लि ना तु तु नि ॥ यं य न य ॥ उ त म ल न दू रि ॥ र न  
 न सि न्द्र न य र्थ व ॥ ध य दि यो जा ॥ उ म ना रु नि ॥ तु नि म न ॥ ब्रह्म न य ल य न स ॥ ४ ॥ रि ग ल न सा ध  
 न ॥ क श या ना ॥ रु ॥ अ ल ग ल दि ब्रह्म ल न म ॥ ४ ॥ ध य टि या था ग ॥ उ ब्रह्म य ह्म न ॥ उ तु य ग  
 नार

वि शा ग ला य विष्णु न म ॥ ४ ॥ द द थ स ॥ उ विष्णु न ना ह ट ॥ उ तु रु य ॥ स ॥ गि व म ला य नू डा  
 न म ॥ का ल ॥ उ न म श क् वा य ॥ ध य रि ग ल ॥ य द्वा दि न का ॥ १ ॥ स द्वा ट य जा या य ॥ का  
 य न ल य य ॥ उ य स य वि तु म गि ॥ उ गू ला य मि गि आ स न ॥ उ व स र्थ गि अ ल रू ल ॥ उ त  
 म ल य य रू गि तु रि क न ॥ वी हि मा न ॥ उ य न नि व ॥ हि न क ॥ उ न दि य या जि र ॥ र न ना  
 क न ध य दि य ॥ अ न का र्थ उ ग ल य स ॥ ग ल य व य ति य रू म म गि ॥ उ नि य र्थ दि ग ॥ आ ल न य  
 डा ग का ॥ उ र्ज ग ॥ म मा नि क ॥ उ डे न ॥ हि ना जा ॥ वा ॥ का य स ॥ उ व मू र्थ म ॥ र न ना दि  
 ध य दि य अ उ ग न्धा दि ॥ तु नि आ ल न दि यि ॥ द कि ल ॥ वी हि का था ग उ विष्णु न ना ॥ ४ ॥ लू ॥ उ  
 र्मा मु र्ध ॥ ग क् कार्थ न म ग मि उ स ॥ र न ना दि ध य दि य ॥ अ ग न्धा दि ॥ तु नि द कि ल ॥ ग



ॐ नमः ॥ ब्रह्मिन्वाट ॥ ॐ दिशायविष्णु ॥ ॐ हि ॥ ॐ यातु मया ॥ ॐ कर्कट का  
 ॐ नमः ॥ ॐ वरुण स्यात् ॥ धृतिदिवज्जगन्नादि ॥ यश्चि मसः ॥ ब्रह्मिन्नामल ॥ ॐ ॐ न  
 वना ॥ गिकर्तुना ॥ ॐ यथासी भावन ॥ यश्च नागनाजा नमः ॥ ॐ यगिर्य ॥ ॐ चन्द्र नादिध  
 यदिवज्जगन्नादि ॥ वायव्य स ॥ ब्रह्म ॥ ॐ इ विष्णु ॥ मृत्तियु च नाग ॥ ॐ ॐ ममव  
 नना ॥ महायज्ञाय नमः ॥ नभा सुसु ॥ चन्द्र नाग न धृतिदीय जगज्जगन्नादि ॥ ॐ रु नमः ॥ सिज  
 ल ॥ ॐ उ इरुम ॥ ब्रह्म सुनि ॥ ॐ गानिष्ठदा ॥ शंख चक्राय नमः ॥ ॐ उ न ॥ ॐ हि नाजा  
 ॥ चन्द्र नादिधृतिदीय जगज्जगन्नादि ॥ ॐ नमः ॥ ब्रह्म ॥ ॐ विष्णु नाग नाट ॥ धृति ना  
 ग ॥ ॐ वरुण स्यात् ॥ कलिकाय नमः ॥ ॐ उ इरुम ॥ नीन ॥ चन्द्र नादिधृतिदीय जग

सू ५

गन्नादि ॥ म ॥ मानि कपूर ॥ ॐ व नी जगन्नादि ॥ ब्रह्मिन्नामल ॥ कय ल्य ॥  
 ॐ विष्णु जामी ॥ जग या ॥ ॐ ॐ मा म ॥ रा ॥ ॐ जग्य कानी ॥ वरुण नमः ॥ ॐ ॐ ममव  
 न ॥ चन्द्र नादिधृतिदीय जगज्जगन्नादि ॥ ॐ गिन नका भयजा ॥ धन कर्मि यजा याय ॥ नादा गस  
 सल्लि कयाय ॥ रु ॥ ॐ यदि चन्द्र नसिन्धु नय्य यज्ञाय ॥ ॐ ग जगज्जगन्नादि ॥ धना कर्म  
 जग या ॥ वा विष्णु नी ॥ ॐ उ इरुम ॥ धना विष्णु कर्मान ॥ न या नादा ग न कर्म जग  
 जग या ॥ ब्रह्मिन्नामल ॥ ॐ ॐ मा म ॥ रा ॥ ॐ जग्य कानी ॥ वरुण नमः ॥ ॐ ॐ ममव  
 न ॥ चन्द्र नादिधृतिदीय जगज्जगन्नादि ॥ ॐ गिन नका भयजा ॥ धन कर्मि यजा याय ॥ नादा गस  
 सल्लि कयाय ॥ रु ॥ ॐ यदि चन्द्र नसिन्धु नय्य यज्ञाय ॥ ॐ ग जगज्जगन्नादि ॥ धना कर्म







१ ग। दक (ये) ग। ग। (ये) दक (ये) दक दक (ये) ग। ग। (ये) दक दक (ये) (ये) दक (ये) दक (ये) द  
क द ग द ग (ये) ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री

इशान

वेदुर्य लिजरक्येगु  
शरवपुष्प फिपति

पूर्व

हेरा-लु-छा  
कौशले हरवार  
छाउ-या

ॐ आग्नेय  
सूर्य-कान्त  
सिज म्मान  
वतफरि  
मनदिर

पद्म राग  
लील वको  
कूर गंधक  
मोयुचा

मन्त्रमस्तकव्यांते  
 लुंकेवले  
 लुंनिकेरागमं  
 वचोयावतये  
 दवया  
 निन. लुपले  
 जोहामवहपलेसा

इन्दुनील रण  
मधो रक्तपंदन दक्षिण  
कंदो कलोचा

पुष्पराज  
किसहड  
नायक कल 5  
पुष्पकालसे  
चिर

मृति बरु मुंग  
श्रीरवराज पावार  
मोयवचा

महर्षीय  
जिना  
अमु  
पुस्तक

पञ्चमं



संभारम ॥ तुं न आसि न ह न ॥ तुं मभि व न ॥ अ म न क न ॥ वृ गि सं स्का न ॥ ल य स ॥ उ ह  
 लु का य ल वी हि ॥ अ स्या ॥ वा क म् ॥ य वी दि क म म न म् य न या य ॥ सु लि वा य न ॥ अ  
 र्थ या य ॥ गी र स ल ॥ द द् स्ता न न स्य अ र्थ या य ॥ अ य वा ना रु क ल्य ॥ मा से न क्क य ॥ तुं अ  
 र्थ यि द व द थ गि स व ल्दु ध य ल्य थारु वा नि स के ला म् य अ र्थ यि पु गि गृ ह गी ॥ वा क् ॥ य थ द व  
 पु गि क्क थ वृ द म र्थ गृ हा न स्था दा ॥ तुं गी र भा य ॥ थ न अ र्थ वि धि ॥ थ व थ व वी हि न दा ॥ द्वा य ग  
 क्क म न न प्प जा या य ॥ वा क्क न य ज मा न क मि आ र्थ ॥ वृ दि सि ॥ द ल ॥ थि स्य गि क्क स न ॥ थि गि हा  
 न ॥ अ य वा ना रु क ल्य ॥ अ गि आ दि ॥ ग्रा व र्थ नु स्य र्थ स ॥ ने दि नि स य सा ग या ॥ या व र्थ का ग म  
 या ना व ल्दु थि थारु व ॥ ३ ॥ व द ॥ तुं हि थारु व ॥ थ ना म न रु ना ॥ उ वा ॥ स गु ना ॥ न ना

सरु आ र्थि ॥ थ ना वा क्क न द कि नो ॥ य ज मा न क ल सा रु र्थ क वि य ॥ स गु न आ गि वी दा ॥ स  
 थि सा र्थि थ य ॥ वृ व न ॥ अ ज न य ॥ वृ गि या द म् य न वि धि ॥ स ल्य वि धि न थ या व द या ॥ ४



5

15

10

5

0

CMTS.

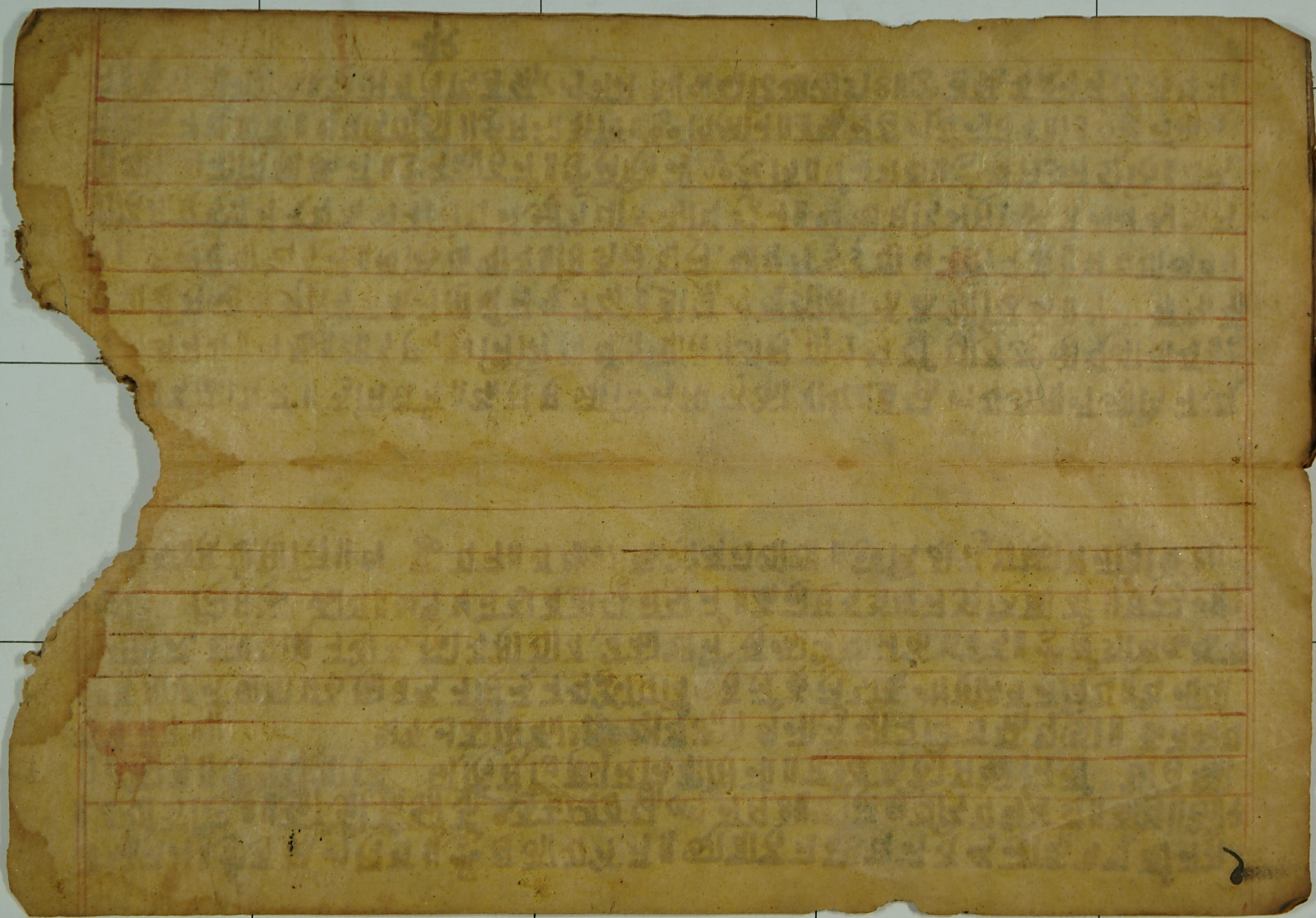
5

10

15

20

2.5



2